हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2021

एम.एच.डी.-22 : कबीर का विशेष अध्ययन

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *प्रथम प्रश्न **अनिवार्य** है । शेष में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) कबीर तन पंषी भया, जहाँ मन तहाँ उड़ि जाइ ।

जो जैसी संगति करे, सो तैसे फल खाइ ।।

(ख) कबीर हरदी पीयरी, चूना ऊजल भाइ ।

राम सनेही यूँ मिले, दुन्यूँ बरन गँवाइ ।।

(ग) जाकै मह माथा नहीं, नहीं रूपक रूप ।

पुहुप बास थैं पातला, ऐसा तत अनूप ।।

(घ) काहे री नलनी तूँ कुम्हिलाँनीं,
तेरे ही नालि सरोवर पाँनी ।
जल में उतपति जल में बास,
जल में नलनी तोर निवास ।।
ना तलि तपति न ऊपरि आगि,
तोर हेतु कहु कासनि लागि ।।
कहै कबीर जे उदिक समान,
ते नहीं मूए हँमरें जान ।।

2. निर्गुण भक्ति परंपरा का परिचय दीजिए । *10*

3. कबीर पर गोरखनाथ के प्रभाव की विवेचना कीजिए । *10*

4. कबीर की कविता में निहित 'माया' की अवधारणा पर विचार कीजिए । *10*

5. कबीर की भाषा की विशेषताएँ बताइए । *10*

6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : (लगभग 200 – 200 शब्दों में) : *2×5=10*

(क) कबीर के काव्य में अलंकार

(ख) स्वाधीनता आंदोलन और कबीर

(ग) अद्वैतवाद

(घ) अवधूत